(1)ऐ खुदा बन्दा तूं जात-ए-किबरिया के वास्ते ।
रहम कर मुझ पर मोहम्मद मुस्तफा के वास्ते ॥
(2)मैं हुआ हूं सख्त जार इस बन्द मेहनत में असीर।
खोल दे मुश्किल अली-ए-मुर्तजा के वास्ते।।
(3)ख्वाजा-ए-बसरी हसन का नाम लाता हू शफीअ।
शेख अब्दुल वाहिद अहल-ए-बका के वास्ते।।
(4)फजल कर मुझ पर तुफैल-ए-ख्वाजा-ए-इब्ने अयाज।
शाह इब्राहिम बलखी बादशाह के वास्ते।।
(5)हजरत-ए-ख्वाजा हुजैफा के लिए टुक रहम कर ।
बू हुबेरा बस्रिये साहिब हुदा के वास्ते ।।
(6)ख्वाजा-ए-मुमशाद की खातिर मेरा दिल शाद कर।
शेख अबु इसहाक कुतुब-ए-चिश्तिया के वास्ते।।
(7)ख्वाजा-ए-अबदाल अहमद बू मोहम्मद मुकतदा ।
ख्वाजा- ए-अबू युसूफ साहिब सफा के वास्ते ।।
(8)ख्वाजा-ए-मोदूद हक और ख्वाजा-ए-हाजी शरीफ।
ख्वाजा-ए-उस्मान हारून अहले इकतिदा के वास्ते ।।
(9)वाली-ए-हिन्दोस्तान ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन ।
शेख कूतुबुद्दीन कूतबुल अतकिया के वास्ते ।।
(10)काम कर शीरीं तुफैल-ए-ख्वाजा-ए-गंजे-शकर ।
और निजामुद्दीन महबूब-ए-खुदा के वास्ते ।।
(11)दिल को रोशन कर तुफैल शाह नसीरूद्दीन चिराग।
और कमालुद्दीन कमाल-ए-असफिया के वास्ते ।।
(12)दूर कर जूलमत सिराज-ए-दिन दुनिया के लिए।
और इलमुल हक वद्दीन इलमुल हुदा के वास्ते ।।
(13)हजरत-ए-महमूद राजन सरवरे दुनिया-ओं-दी।
और जमालुद्दीन जुम्मन साहिब सफा के वास्ते ।।
(14)शेख हसन और ख्वाजा-ए-शेखे मोहम्मद के तुफैल।
हजरत याहिया मदानी मुकतदा के वास्ते ॥
(15)फज़ल कर मुझ पर तुफैल शाह कलीमुल्ला वली ।
और निजामुद्दीन मकबूल-ए-खुदा के वास्ते ।।
(16)दीनो-दुनिया का वसीला पीर आलम फखरे-दो।
ख्वाजा-ए-नूरे मुहम्मद रहनुमा के वास्ते ।।
(17)हजरते-ख्वाजा सुलैमां दो जहा के दस्तगीर ।
किब्लाए हाजात काबा मुद्दआ के वास्ते ।।
(18) हजरते-ख्वाजा सुलैमां शाह सदरुल औलिया ।
हाफ़िज़े सैयद बहादुर पेशवा के वास्ते ॥
(19) फजल कर मुझ पर तुफैल ख्वाजा-ए-आली जनाब ।
सैयद क़ासिमुल हक़ तस्लीमो रज़ा के वास्ते ।।
(20)साहिबे सिदको सफा आली मरातिब बेरिया ।
सैयद अहमद साहब नूरे खुदा के वास्ते ।।
(21)दूर कर मुश्किल मेरी या रब तुफैल-ए-ख्वाजगान ।
सैयद अब्दुल अज़ीज़ कामिल पेशवा के वास्ते ।।
(22)मंजिले मकसूद पर पहुंचादे ऐ परवर दिगार ।
सैयद अमजद अली आसी रहनुमा के वास्ते ।।
(23)बख्श दे अपनी मोहब्बत और कतआ करदे मासिवा ।
बरकत -

फ़ज़ल कर या रब मोहम्मद मुस्तफा के वास्ते
रहमते आलम जनाबे मुजतबा के वास्ते

गंज ए मख्फ़ी का खजीना खोल दे मुझ पर तमाम
हजरते मौला अली मुश्किल कुश के वास्ते

या इलाही हो शहादत पर हमारा खात्मा
सैयदे आलम शहीदे कर्बला के वास्ते

है इबादत पर भरोसा आबिद व नेको रोज़ो शब्
दे हमें इक आह तू जैनुलअबा से वास्ते

बादा ए वेहदत से सरशारी रहे हर दम मुझे
सैयदे बाक़र इमामुल औलिया के वास्ते

अहले बैते मुस्तफा की मैं गुलामी में रहूँ
जाफ़रे सादिक करीमे बा अता के वास्ते

हांथ अजाए मुझे दामन रसूलल्लाह का
हजरते काज़िम इमामुल असफिया के वास्ते

या खुदा तेरी रज़ा पर मैं रहू साबित कदम
हदिए आलम अली मूसा रज़ा के वास्ते

या खुदा मारूफ करदे कैफियत अपनी तमाम
हजरते मारूफ करखी पुर ज़िया के वास्ते

हो सरे तस्लीम ख़म तेरी रज़ा के रु बा रु
फ़खरे आलम सिर्री सकती मुजतबा के वास्ते

लश्करे अंदोह ने घेरा खुदाया बेतरह
दे पनाह ख्वाजा जुनेदे पेशवा के वास्ते

या इलाही रख सदा रहे हिदायत पर मुकीम
हजरते शिबली जनाबे बा सफा के वास्ते

करदे मेरे दिल को रोशन पंजतन के नूर से
ख्वाजा ए अब्दुल अज़ीज़े हक़ नुमा के वास्ते

दौलते दुनिया ओ दीं से मुझको मालामाल कर
अब्द वाहिद साहिबे फज़्लो अत के वास्ते

या खुदा मामूर कर सीना मेरा इरफ़ान से
हज़रते युसूफ सिराजुल औलिया के वास्ते

रौशनी हो मरकदे तारीक में ए रब मेरे
शैखे आलम बुल हसन बहरे सखा के वास्ते

कर सआदत दोनों आलम की मुझे या रब अता
बू सईदे शाह वाला बा हया के वास्ते

हर बालाओ अफातो इसयाँ से मुझको दूर रख
हज़रात अब्दुल क़दिरे गौसुल्वारा के वास्ते

या इलाही रहम कर मुझ बंदा ए नाचीज़ पर
शाह सैफुद्दीन चिरागे अतकिया के वास्ते

दोलते इमानो इर्फा में तरक्की हो मुझे
पिरे आरिफ अब्दरज्ज़ाक महलका के वास्ते

ए खुदा दीदार से तेरे रहूँ मैं शादकाम
सैयद अब्दशाह सहाबी फर्दुल औलिया के वास्ते

आंख से पर्दा दुई का दूर हो जाए इलाह
शाह रिज्कुल्लाह सालिस हक़नुमा के वास्ते

तू रहे पेशे नज़र हरदम इलाही जलवागर
सैयद मोहम्मद मिया महल सिर्रे मुस्तफा के वास्ते

फ़ज़ल के हाथों से मुझको मेवाए मकसद खिला
हजरते खानुमियां ओ औलिया के वास्ते

या खुदा सिर्रे हकीक़त से अत इक जाम हो
हजरते शाहे अमीरे औलिया के वास्ते

नूरे वहदत की चमक दिल पर सदा तारी रहे
मुर्शिद ओ सैयद ज़हीरुद्दीदीं हुदा के वास्ते

ए खुदा अपने गज़ब से दे अमां हर दम मुझे
मुर्शिदी सैयद अब्बास अली इत्तिका के वास्ते

तालिबे इमदाद हूं तुझसे खुदाया सुबहो शाम
बक्श दे सैयद अमजद अली को कुल औलिया के वास्ते

ए-पीरान -ए-शिजरा चिश्तिया के वास्ते ॥